ASTRO ARPITA NATH

कुंडली के सभी 12 भावों में सूर्य (Surya)

Arpita Nath द्वारा · ज्योतिष आधार · 2026-09-15

वैदिक ज्योतिष (ज्योतिष) में, सूर्य कुंडली का राजसी केंद्र है - जो आत्मा, पिता, सरकार, अधिकार, जीवन शक्ति, आत्मसम्मान और आपके जीवन के उद्देश्य की मौलिक भावना का प्रतिनिधित्व करता है।

आपकी जन्म कुंडली में सूर्य जहाँ भी बैठता है, वहाँ वह अपना तेजस्वी प्रकाश बिखेरता है, और दृश्यता, नेतृत्व तथा सत्यनिष्ठा की माँग करता है। हालाँकि, चूँकि सूर्य स्वभाव से एक गर्म और हल्का अलगावकारी ग्रह (क्रूर ग्रह) है, इसलिए इसकी स्थिति भ्रम को जलाकर भस्म कर देती है और साथ ही उस विशिष्ट भाव की भावनात्मक संवेदनशीलता की परीक्षा भी लेती है।

प्रथम भाव (लग्न / स्वयं)

• **मुख्य विषय**: स्वाभाविक नेतृत्व, सशक्त पहचान, व्यक्तिगत गरिमा।
• **सकारात्मक प्रभाव**: उच्च आत्मविश्वास, उत्तम जीवन शक्ति, प्रभावशाली उपस्थिति और स्वाभाविक कार्यकारी सोच प्रदान करता है। जातक शायद ही कभी अनादर सहन करता है और स्वाभाविक रूप से अधिकार व सत्ता के पदों की ओर आकर्षित होता है।
• **चुनौतीपूर्ण प्रभाव**: अत्यधिक अहंकार, घमंड, अधीरता, बालों का पतला होना/गंजापन और शरीर में गर्मी से संबंधित रोग या आंखों में खिंचाव की समस्या दे सकता है।

दूसरा भाव (धन भाव / संपदा एवं वाणी)

• **मुख्य विषय**: संसाधनों के माध्यम से अधिकार, प्रभावशाली वाणी, पारिवारिक विरासत।
• **सकारात्मक प्रभाव**: अधिकारपूर्ण और प्रभावशाली वाणी प्रदान करता है, सरकार या बड़े संस्थानों के माध्यम से आय तथा पारिवारिक विरासत पर गहरा गर्व देता है।
• **चुनौतीपूर्ण प्रभाव**: कठोर और सीधी वाणी जो परिवार के सदस्यों को दूर कर सकती है; सामाजिक प्रतिष्ठा बनाए रखने पर अत्यधिक व्यय; संयुक्त पारिवारिक संपत्ति को लेकर विवाद की प्रवृत्ति।

तीसरा भाव (भातृ भाव / साहस और भाई-बहन)

• **मुख्य विषय:** साहसिक पहल, निडर इच्छाशक्ति, हस्तकौशल/तकनीकी कौशल।
• **सकारात्मक प्रभाव:** उपचय भाव में स्थिति जहां सूर्य अत्यधिक फलदायी होता है। यह अपार शारीरिक और मानसिक साहस, बाधाओं को पार करने का दृढ़ संकल्प, उद्यमशीलता की प्रेरणा तथा लेखन, मीडिया या खेलकूद में सफलता प्रदान करता है।
• **चुनौतीपूर्ण प्रभाव**: छोटे भाई-बहनों के साथ तनावपूर्ण संबंध या प्रतिस्पर्धा; टीम के साथ काम करते समय अत्यधिक हावी होने की प्रवृत्ति।

चतुर्थ भाव (सुख भाव / गृह और आंतरिक शांति)

• **मुख्य विषय**: पारिवारिक नेतृत्व, सार्वजनिक जीवन बनाम निजी शांति।
• **सकारात्मक प्रभाव**: कुल-परंपरा, पैतृक संपत्ति, भूमि और वाहनों के प्रति गहरा लगाव। जातक के समुदाय या मातृभूमि में उच्च सामाजिक प्रतिष्ठा का निर्माण करता है।
• **चुनौतीपूर्ण प्रभाव**: चूंकि चतुर्थ भाव मध्यरात्रि का बिंदु है (जो सूर्य के दोपहर के बल के विपरीत है), इसलिए सूर्य का तेज घरेलू मानसिक शांति को बाधित कर सकता है, माता के साथ भावनात्मक तनाव पैदा कर सकता है और घर में अशांति ला सकता है।

पंचम भाव (पुत्र भाव / बुद्धि और रचनात्मकता)

• **मुख्य विषय**: तीव्र बुद्धि, रचनात्मक प्रतिभा, राजनीतिक अंतर्दृष्टि।
• **सकारात्मक प्रभाव**: रणनीतिक सोच, उच्च शिक्षा, सलाहकारी और सार्वजनिक शासन के लिए असाधारण क्षमता। मंत्रों, आध्यात्मिक ग्रंथों और उच्च-स्तरीय निर्णय लेने की स्वाभाविक समझ।
• **चुनौतीपूर्ण प्रभाव**: बच्चों के साथ अहंकार का टकराव या संतान प्राप्ति में देरी; अत्यधिक आत्मविश्वास के कारण सट्टा वित्तीय जोखिमों में हाथ आजमाने की प्रवृत्ति।

छठा भाव (शत्रु भाव / शत्रु, ऋण एवं सेवा)

• **मुख्य विषय**: विरोधियों पर विजय, रोग निवारण की जीवन शक्ति, प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त।
• **सकारात्मक प्रभाव**: एक उत्कृष्ट उपचय स्थिति। सूर्य का तीव्र ताप शत्रुओं, कानूनी विवादों और वित्तीय ऋणों को भस्म कर देता है। अपार सहनशक्ति, सिविल सेवा, कानून या चिकित्सा क्षेत्र में सफलता प्रदान करता है।
• **चुनौतीपूर्ण प्रभाव**: पाचन संबंधी एसिडिटी की संभावना, मामा पक्ष से मतभेद और अत्यधिक संघर्षों के कारण तनाव-जनित थकान की संवेदनशीलता।

सातवाँ भाव (जाया भाव / विवाह और साझेदारी)

• **मुख्य विषय**: बाहरी संबंध, अनुबंध, सार्वजनिक बातचीत।
• **सकारात्मक प्रभाव**: सार्वजनिक अनुबंधों से लाभ, उच्च-प्रतिष्ठित व्यापारिक गठजोड़ और एक कुशल, महत्वाकांक्षी व्यक्ति के साथ साझेदारी।
• **चुनौतीपूर्ण प्रभाव**: "अस्त होते सूर्य" की एक पारंपरिक स्थिति। सूर्य का प्रबल अहंकार साझेदारी के दर्पण के ठीक सामने आ जाता है, जिससे अक्सर वैवाहिक तनाव, सत्ता संघर्ष और समझौते करने में कठिनाई पैदा होती है।

8वां भाव (रंध्र भाव / आयु और परिवर्तन)

• **मुख्य विषय**: गूढ़ विद्या की गहराई, अनुसंधान, अचानक मिलने वाला उत्तराधिकार, बिना कमाया हुआ धन।
• **सकारात्मक प्रभाव**: रहस्यों को भेदने की असाधारण क्षमता, गुप्त बातें, ऑडिटिंग, फॉरेंसिक और गूढ़ विज्ञान। तीव्र आध्यात्मिक अंतर्ज्ञान और गहरी मनोवैज्ञानिक सहनशक्ति प्रदान करता है।
• **चुनौतीपूर्ण प्रभाव**: शारीरिक जीवन शक्ति में कमी, आंखों या दिल से जुड़ी अचानक समस्याओं की आशंका, पिता के साथ जटिल या दूर का संबंध और करियर की शुरुआत में उथल-पुथल।

नवम भाव (धर्म भाव / भाग्य, उच्च ज्ञान और पिता)

• **मुख्य विषय**: उच्च नैतिकता, आध्यात्मिक अधिकार, दार्शनिक मार्गदर्शन।
• **सकारात्मक प्रभाव**: मजबूत नैतिक दृष्टिकोण, दैवीय कृपा (भाग्य) के साथ स्वाभाविक तालमेल, कानून और परंपरा का सम्मान, तथा विश्वविद्यालय के नेतृत्व या अंतरराष्ट्रीय यात्रा में सफलता।
• **चुनौतीपूर्ण प्रभाव**: सैद्धांतिक कट्टरता, दार्शनिक अहंकार, या पिता/गुरुओं के साथ मतभेद यदि उनके विचार जातक की मान्यताओं से मेल नहीं खाते हैं।

10वां भाव (कर्म भाव / करियर और सामाजिक प्रतिष्ठा)

• **मुख्य विषय:** सर्वोच्च प्रशासनिक अधिकार, व्यावसायिक ख्याति, राजकीय सम्मान।
• **सकारात्मक प्रभाव**: सूर्य 10वें भाव (दोपहर के समय) में दिग्बल (दिशात्मक बल) प्राप्त करता है। करियर में उन्नति, सरकारी पदों, राजनीतिक प्रभाव और निर्विवाद प्रशासनिक नेतृत्व के लिए ज्योतिष में यह सबसे प्रमुख स्थितियों में से एक है।
• **चुनौतीपूर्ण प्रभाव:** व्यक्तिगत जीवन की कीमत पर करियर को अत्यधिक प्राथमिकता देना, कार्यस्थल पर उच्चाधिकारियों के साथ सत्ता संघर्ष और अधीनस्थों में औसत दर्जे के काम को बर्दाश्त न करना।

11वां भाव (लाभ भाव / लाभ, संपर्क और बड़े भाई-बहन)

• **मुख्य विषय**: स्थिर आय, प्रभावशाली नेटवर्क, महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति।
• **सकारात्मक प्रभाव**: एक और प्रमुख उपचय भाव की स्थिति। सूर्य आसानी से व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं को पूरा करता है, प्रभावशाली मित्रों, राजनेताओं और मार्गदर्शकों को आकर्षित करता है, और उच्च-स्तरीय पदों से निरंतर वित्तीय लाभ सुनिश्चित करता है।
• **नकारात्मक प्रभाव**: बड़े भाई-बहनों के साथ तनावपूर्ण संबंध; केवल सामाजिक लाभ और स्वार्थ के लिए लोगों से जुड़ने की प्रवृत्ति।

12वां भाव (व्यय भाव / हानि, विदेश और मोक्ष)

• **मुख्य विषय**: आध्यात्मिक एकांत, विदेश में बसना, अवचेतन अनासक्ति।
• **सकारात्मक प्रभाव**: विदेश में बसने, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अनुसंधान प्रयोगशालाओं, अस्पतालों या एकांत आध्यात्मिक स्थलों में असाधारण सफलता। सतही प्रसिद्धि से गहरा वैराग्य उत्पन्न करता है।
• **चुनौतीपूर्ण प्रभाव**: स्वदेश में कम आत्मसम्मान या अनदेखे प्रयासों की भावना; नींद में व्यवधान; पिता के साथ तनावपूर्ण संबंध या उनसे शारीरिक दूरी; आँखों से संबंधित संभावित संवेदनशीलता।

---

https://astroarpitanath.com/hindi/sun-in-12-houses-of-kundli/
ज्योतिष केवल मार्गदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है। जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए, कृपया किसी योग्य पेशेवर से परामर्श लें।